COOCHBEHAR PANCHANANBARMA UNIVERSITY

SYLLABUS FOR M.A. IN HINDI
NCCF (National Curriculum and Credit Framework)

Two-Year PG Programme :

TWO-YEAR (1st to 4th Semesters) M.A. under NEP 2020 (NCCF) SYLLABUS

One-Year PG Programme:

ONE-YEAR (3rd to 4th Semester of this syllabus to be treated as 1st and 2nd Semester) M.A. under NEP 2020 (NCCF) SYLLABUS

Effective from Academic Session2026-2027

Total Credit: 80 & Credit per Semester: 20

TOTAL MARKS: 1600 (for four Semesters)

THEORETICAL: 1200
CONTINUOUS EVALUATION: 320 +ATTENDANCE: 80

COOCH BEHAR PANCHANAN BARMA UNIVERSITY

Panchanan Nagar, Vivekananda Street, Cooch Behar – 736101, WB

P.G. IN HINDI

(NCCF)

(Hons. & Hons. with Research)

W.E.F. 2026

COOCH BEHAR PANCHANAN BARMA UNIVERSITY

DEPARTMENT OF HINDI

12/8/26

12.08.2026

12.08.2026

Semester – I

Course	Description	Credit	Marks
Core 1	शोध प्रविधि एवं शोध नैतिकता	5	100
Core 2	भारतीय ज्ञान परंपरा के वाहक मध्यकालीन कवि	5	100
Core 3	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	5	100
वैकल्पिक (Centric Elective)	क) साहित्य और सिनेमा ख) अनुवाद सिद्धांत ग) पत्रकारिता घ) SWAYAM MOOC	5	100

Semester – II

Course	Description	Credit	Marks
Core 1	हिन्दी आलोचना	5	100
Core 2	भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिन्दी कविता	5	100
Core 3	भाषा विज्ञान	5	100
वैकल्पिक (Genric Elective)	क) अस्मितामूलक विमर्श ख) आधुनिक भारतीय साहित्य ग) विश्व साहित्य	5	100

Semester – III

Course	Description	Credit	Marks
Coursework Paper 1	नाटक एवं एकांकी	5	100
Coursework Paper 2	छायावादी काव्य	5	100
Coursework Paper 3	उपन्यास एवं कहानी	5	100
Research Paper	निबंध एवं कथेतर गद्य विधाएं	5	100

Semester – IV

Course	Description	Credit	Marks
Research Paper 1	छायावादोत्तर काव्य	5	100
Research Paper 2	स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य	5	100
Research Paper 3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	5	100
Final Submission of Research Work	शोध-प्रबंध तैयार करना	5	100

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – I

Core – 1

शोध प्रविधि एवं नैतिकता

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को शोध प्रविधि के विविध आयामों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी शोध, शोध-प्रविधि, शोध आलोचना से सम्बन्धित अवधारणाओं तथा उसके विविध सोपानों से जुड़े सैद्धांतिक पक्षों का अध्ययन करेंगे। साथ ही शोध कार्य के लिए आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान, इंटरनेट के उपयोग तथा शोध और प्रकाशन से जुड़ी नैतिकता आदि का भी अध्ययन इस पाठ्यक्रम का ध्येय है।

इकाई : 1

शोध- अर्थ, स्वरूप और प्रकार

अच्छे एवं मानक शोध की विशेषताएं

शोध एवं आलोचना: अंतर और अंतर्संबंध

इकाई : 2

शोध प्रविधि : विषय चयन, शोध परिकल्पना, रूपरेखा निर्धारण, अध्यायीकरण, उप-अध्यायीकरण, तथ्य संग्रह, प्रबंध लेखन, पाद टिप्पणी, अनुक्रमणिका, परिशिष्ट।

इकाई : 3

शोध, आलोचना तथा सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समीक्षा, हिंदी शोध के स्रोत एवं इतिहास

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

इकाई : 4

शोध कार्य हेतु अपेक्षित कंप्यूटर ज्ञान, शोध में इंटरनेट का उपयोग, कंप्यूटरीकृत हिंदी टंकण।

इकाई : 5

शोध एवं प्रकाशन नैतिकता, शोधार्थियों के नैतिक दायित्व, प्रकाशन सदाचार।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. शोध प्रविधि, विनय मोहन शर्मा, नैशनल पब्लिशिंग हाउस
2. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन
3. शोध प्रस्तुति, उमा पाण्डेय, नैशनल पब्लिशिंग हाउस
4. शोध : स्वरूप एवं मानक – व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन
5. हिंदी अनुसंधान : सिद्धांत और व्यवहार, सुरेश निर्मल, अमित प्रकाशन

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – I

Core - 2

भारतीय ज्ञान परंपरा के वाहक मध्यकालीन कवि

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के इतिहास और स्वरूप से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी आदिकालीन, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन करने के साथ-साथ इन कालों के प्रमुख कवियों की रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1

भारतीय ज्ञान परंपरा : इतिहास और स्वरूप, भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रसार तथा विकास में आदिकालीन तथा मध्यकालीन काव्य की भूमिका

इकाई : 2

विद्यापति : विद्यापति पदावली (विद्यापति पदावाल्ली सं० - रामवृक्ष बेनीपुरी पद संख्या- 1, 2, 9, 10, 12, 35, 37, 57, 59, 81, 110, 114, 135, 140, 176, 188, 190, 199, 206, 222)

अब्दुर्रहमान : संदेश रासक (प्रथम प्रकरण)

इकाई : 3

कबीर : कबीर ग्रंथावली (सं०)- श्यामसुन्दर दास

- साखी- 1, 11, 16, 39, 58
- गुरुदेव कौ अंग- 1, 3, 4, 10, 11
- विरह कौ अंग – 1, 2, 6, 12, 27
- निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग – 5, 13, 14, 16, 18

12.08.2026 12.08.2026 12.08.2026

- साँच कौ अंग – 3, 5, 15, 16, 17

जायसी : नागमती वियोग खण्ड – वर्णन, (पद्मावत सं० - आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

इकाई : 4

सूरदास : भ्रमरगीत सार –(सं०), आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पद संख्या 31 -50

तुलसीदास : विनय पत्रिका, पद संख्या – 34, 65, 73, 81, 82

कवितावली – 6, 7, 11, 12, 18

मीराबाई : मीरा- मीरा के पद (सं०) - विश्वनाथ त्रिपाठी

पद संख्या- 2, 4, 9, 14, 16, 18, 24, 27, 29, 33

इकाई : 5

बिहारी : बिहारी रत्नाकर (सं०) - जगन्नाथादास रत्नाकर दोहे- 1-30

घनानन्द : घनानंद कवित्त : (सं०) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र पद संख्या 1-20

संदर्भ ग्रंथसूची –

1. विद्यापति पदावली, सं - रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. संदेश रासक, अब्दुर्रहमान, सं – हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकशन, नयी दिल्ली

3. कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

4. सूरदास, रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

5. महाकवि सूरदास, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

6. सूरदास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

7. कबीर मीमांसा, रामचंद्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

8. अकथ कहानी प्रेम की, पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

9. सूर और तुलसी, नन्द दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

10. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

11. विद्यापति, शिवप्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

12. मीरा और मीरा, महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

13. मीरा का काव्य, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

14. जायसी का पद्मावत, गोविंद त्रिगुणायत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली

15. घननंद का काव्य, रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

16. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

17. भ्रमरगीत सार, सं. - रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

18. कबीर ग्रंथावली, सं. - श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा काशी

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – I

Core – 3

हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि एवं हिन्दी के विविध रूपों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है।

इकाई: 1

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, पाली, प्राकृत- शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, अपभ्रंश अवहट्ठ, और पुरानी हिंदी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण

इकाई: 2

हिंदी का भौगोलिक विस्तार: हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी और उनकी बोलियाँ एवं विशेषताएँ, हिंदी के विविध रूप: हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी

इकाई: 3

हिंदी के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम-भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, उदयनारायण तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

2. मानक हिंदी का स्वरूप, कलानाथ शास्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग, भोलेनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7. साहित्य का भाषिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8. अद्यतन भाषा विज्ञान, पाण्डेय शशिभूषण, शीतांशु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. भाषा का समाजशास्त्र, राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, रामकिशोर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

11. भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12. भाषा की भाषा समस्या, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – I

(वैकल्पिक)

खंड – क

साहित्य और सिनेमा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को साहित्य और सिनेमा से संबंधित प्रमुख विषयों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, सिने सिद्धांत, सिनेमा का तकनीकी पक्ष, हिंदी सिनेमा के संक्षिप्त इतिहास का अध्ययन करने के साथ-साथ हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंतरसंबंध के प्रमुख बिंदुओं का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1

सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उद्देश्य, मध्यमवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा: कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, प्रमुख सिने सिद्धांत।

इकाई : 2

सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा: सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिनेसंगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।

इकाई : 3

हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारम्भिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

का यथार्थ, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिंदी सिनेमा, कला एवं व्यावहारिक सिनेमा, वाक सिनेमा।

इकाई : 4

साहित्य और सिनेमा : अंतरसंबंध, सिनेमा और कथा-साहित्य, संवेदना का रूपांतरण और तकनीक।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. भारतीय सिनेमा सिद्धांत, अनुपम ओझा, राधा कृष्ण प्रकाशन
2. लेखक का सिनेमा, कुंवर नारायण, संपादक - गीत चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन
3. सिनेमा के बारे में, जावेद अख्तर, नसरीन मुन्नी कबीर, राजकमल प्रकाशन
4. धुनों की यात्रा, पंकज राग, राजकमल प्रकाशन
5. कवि शैलेंद्र: जिंदगी की जीत, प्रहलाद अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – I

(वैकल्पिक)

खंड – ख

अनुवाद सिद्धांत

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को अनुवाद सिद्धांत से संबंधित प्रमुख विषयों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी अनुवाद का अर्थ, प्रकृति, प्रकार, आवश्यकता का अध्ययन करने के साथ-साथ सर्जनात्मक साहित्य में अनुवाद की अपेक्षाएं, गद्यानुवाद, पद्यानुवाद तथा कार्यालयी अनुवाद के प्रमुख बिंदुओं का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1

अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति, अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व, बहुभाषी समाज में परिवर्तन, तथा बौद्धिक, सांस्कृतिक, आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य

इकाई : 2

अनुवाद के प्रकार: भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद, अनुवाद की प्रक्रिया के चरण

इकाई : 3

सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं. सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अंतर. गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में

इकाई : 4

कार्यालयी अनुवाद: राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद, शासकीय पात्र / अर्धशासकीय पत्र / परिपत्र

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

(सर्कुलर)/ ज्ञापन (प्रेजेंटेशन), आदेश कार्यालय / अधिसूचना / संकल्प-प्रस्ताव (रेज्यूशन), निविदा-संविदा

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग, आदित्यनाथ सोनटक्के, चंद्रलोक प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. अनुवाद स्वरूप एवं आयाम, त्रिभुवन राय, अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद

3. अनुराग कला, भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, नयी दिल्ली

4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, गोपीनाथन, भारती ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली

5. अनुवाद सिद्धांत की रूप रेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

6. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, सीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – I

(वैकल्पिक)

खंड – ग

पत्रकारिता

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक प्रथम सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप, इतिहास, मीडिया के विविध रूपों तथा समाचार लेखन तथा सम्पादन कला से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। साथ ही पत्रकारिता के दायित्व तथा प्रेस संबंधी अधिनियम और आचार संहिता का अध्ययन भी इस पत्र में सम्मिलित है।

इकाई : 1

पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार। हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

समाचार लेखन कला, सम्पादन के आधारभूत तत्व, सम्पादकीय लेखन कला।

इकाई : 2

मीडिया-जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ। विभिन्न माध्यमों का स्वरूप - मुद्रण, श्रव्य, दृश्य- श्रव्य माध्यम : फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो, रेडियो, इंटरनेट

इकाई : 3

जनतांत्रिक व्यवस्था में चौथे खम्भे के रूप में पत्रकारिकता का दायित्व

इकाई : 4

सम्पादन कला, सम्पादन का उत्तरदायित्व, शीर्षकीकरण, आमुख, पत्रकारिता-प्रबंधन

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

इकाई : 5

प्रेस संबंधी प्रमुख कानून, आचार संहिता, प्रसार भारती

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी पत्रकारिता: विकास और विविध आयाम, सं. डॉ. वेदप्रकाश प्रताप सिंह, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादेमी

2. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. पत्रकारिता की चुनौतियाँ, गणेश मंत्री, सत्याहित्या प्रकाशन, नयी दिल्ली

4. जनसंचार और पत्रकारिता, डॉ. देवराज, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

12.08.2026 12.08.2026

Semester – II

Core - 1

हिन्दी आलोचना

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के प्रमुख हस्ताक्षरों और उनकी आलोचना दृष्टि से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, भारतेंदुयुगीन तथा द्विवेदीयुगीन आलोचना का अध्ययन करने के साथ-साथ आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, नन्ददुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह, मुक्तिबोध, अज्ञेय, विजयदेव नारायण साही और मैनेजर पांडेय की आलोचना दृष्टि का अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1

हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि : भारतेंदु और द्विवेदीयुगीन आलोचना

इकाई : 2

रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी और डॉ. नगेन्द्र की आलोचना दृष्टि

इकाई : 3

रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह और मैनेजर पांडेय की आलोचना दृष्टि

इकाई : 4

अज्ञेय और विजयदेव नारायण साही की आलोचना दृष्टि

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
2. हिंदी आलोचना का विकास, मधुरेश, लोक भारतीय प्रकाशन
3. आधुनिकता और हिंदी आलोचना, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन
4. हिंदी आलोचना: शिखरों से साक्षात्कार, रामचंद्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन
5. हिंदी आलोचना का बीच शब्द, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन
6. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन
7. हिंदी आलोचना के नए परिप्रेक्ष्य, मनोज पांडेय, राजकमल प्रकाशन
8. हिंदी आलोचना का विकास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
9. हिंदी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास, अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
11. आधुनिक हिंदी साहित्य में समालोचना का विकास, वेंकट शर्मा

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – II

Core - 2

भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिन्दी कविता

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिन्दी कविता से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता के साथ-साथ इस काल के प्रमुख कवियों तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : एक तिनका, प्रिय प्रवास (पहला अंश), परिवर्तन

रामनरेश त्रिपाठी : वह देश कौन-सा है?, अस्तोदय की वीणा, निशीथ-चिंता

इकाई : 2

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)

रामधारी सिंह 'दिनकर' : उर्वशी (तृतीय अंक)

इकाई : 3

सुभद्रा कुमारी चौहान : स्वदेश के प्रति, वीरों का कैसा हो वसंत?

हरिवंश राय बच्चन : जो बीत गई, आत्म परिचय

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साकेत, मैथिलीशरण गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

2. **उर्वशी,** रामधारीसिंह **दिनकर,** लोकभारती प्रकाशन, **नयी दिल्ली**

3. **सुभद्रा** कुमारी **चौहान की** सम्पूर्ण कविताएं, **सं- माधव हाड़ा,** राजपाल **एण्ड सोनस**

4. प्रिय **प्रवास,** अयोध्यासिंह उपाध्याय **'हरिऔध',** प्रकाशन संस्थान

5. प्रतिनिधि कविताएं, हरिवंशराय बच्चन, राजकमल प्रकाशन, **नयी दिल्ली**

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – II

Core – 3

भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी भाषा और भाषा विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण के साथ-साथ स्वन विज्ञान और रुपिम की अवधारणाओं का अध्ययन करेंगे।

ईकाई : 1

भाषा और भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा विज्ञान – स्वरुप एवं व्याप्ति। अध्ययन की दिशाएं – वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

ईकाई : 2

स्वन विज्ञान का स्वरुप एवं शाखाएं, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरुप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद

ईकाई : 3

रुपिम की अवधारणा और भेद। वाक्य की अवधारणा और भेद। अर्थ की अवधारणा और अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, शब्द और अर्थ का संबंध

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची -

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषा और समाज, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12.08.2026 12.08.2026

3. **भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल पब्लिशर्स, दिल्ली**
4. **भाषा विज्ञान की भूमिका**, डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

12.08.2026 12.08.2026

Semester – II

(वैकल्पिक पत्र)

खंड – क

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को प्रमुख अस्मितामूलक विमर्शों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श की अवधारणा, इतिहास तथा सैद्धांतिकी का अध्ययन करने के साथ-साथ हिंदी साहित्य के स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श से संबंधित कुछ प्रमुख रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1 विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श – अवधारणा, सैद्धांतिकी और आंदोलन, जोतिबा फुले और भीमराव अम्बेडकर का वैचारिक चिंतन:एक परिचय

ख) स्त्री विमर्श – अवधारणा, सैद्धांतिकी और स्त्री मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)

ग) आदिवासी विमर्श – अवधारणा, सैद्धांतिकी और आंदोलन

इकाई : 2 विमर्शमूलक कथा साहित्य

ओमप्रकाश वाल्मीकि – घुसपैठिए

जयप्रकाश कर्दम – नो बार

सुमित्रा कुमारी सिंहा – व्यक्तित्व की भूख

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

इकाई : 3

दलित कविता

अछूतानन्दजी 'हरिहर' – सवर्णों को चेतावनी, मनुस्मृति से जलन

मलखान सिंह – हमारे गाँव में, मैं आदमी नहीं हूँ

सुशीला टाकभौरे – धृतराष्ट्र ने कहा, पीड़ा की फसलें

स्त्री कविता :

कीर्ति चौधरी – सीलन भरी कोठरी में, दो जिंदगियाँ

अनीता वर्मा – स्त्री का चेहरा, इस्तेमाल

गगन गिल – यह लड़की जब उदास होगी, एक दिन लौटेगी लड़की

आदिवासी कविता :

अनुज लुगुन – एकलव्य से संवाद, अघोषित उलगुलान

जसिंता केरकेट्टा – नदी पहाड़ और बाजार, साहेब! कैसे करोगे खारिज?

पूनम वासन – मछलियाँ गाएंगी एकदिन पंडुम गीत, महुआ का पेड़ जानता है

इकाई : 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं

शृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा (प्राथमिक दो निबंध)

जाति का विनाश – भीमराव अंबेडकर

मुर्दहिया – डॉ. तुलसीराम

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

सहायक ग्रंथ सूची :

1. महात्मा जोतिबा फुले रचनावली, सं – एल जी मेश्राम 'विमलकीर्ति', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. अंबेडकर संचयन, रामजी यादव, सामयिक प्रकाशन
3. दलित साहित्य का समाजशास्त्र, हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ
4. दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा, बजरंग बिहारी तिवारी, नवारूँ प्रकाशन
5. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. अपना कमरा, वर्जीनिया वुल्फ़, वाणी प्रकाशन
7. स्त्री संघर्ष का इतिहास, राधा कुमार, राजकमल प्रकाशन
8. स्त्री उपेक्षिता (द सेकंड सेक्स) सिमोन द बोउवार, प्रभा खेतान, हिंदी पॉकेट बुक्स
9. बधिया स्त्री, जर्मन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन
10. स्त्री अध्ययन की बुनियाद, प्रमिला के पी, राजकमल प्रकाशन
11. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन
12. आदिवासी साहित्य विमर्श, सं – गंगा सहाय मीणा, अनामिका पुब्लिशर्स
13. आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, कुमार कमलेश, तेज प्रकाशन
14. आदिवासी विमर्श, सं – वी कृष्ण एवं भीम सिंह, स्वराज प्रकाशन

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – II

(वैकल्पिक)

खंड – ख

आधुनिक भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षरों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी भारतीय साहित्य की प्रमुख भाषाओं- बांग्ला, कन्नड़, मराठी, उर्दू, मलयालम आदि के प्रमुख साहित्यकारों की चयनित प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1 उपन्यास

गोरा- रवींद्रनाथ ठाकुर (बांग्ला)

संस्कार- यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

इकाई : 2 नाटक

हयवदन- गिरीश कर्नाड (कन्नड़)

घासीराम कोतवाल- विजय तेंदुलकर (मराठी)

इकाई : 3 आत्मकथा

कागजी है पैरहन- इस्मत चुगताई (उर्दू)

आलो आंधारी- बेबी हालदार (बांग्ला)

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

इकाई : 4 कविता

गीतांजलि, रवींद्रनाथ ठाकुर, (प्रारंभिक पांच कविताएं, अनुवाद – प्रयाग शुक्ल, के. सच्चिदाननंद (मलयालम) : प्रतिनिधि संकलन (प्रारंभिक पांच कविताएं)

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. गोरा, रवींद्रनाथ ठाकुर, साहित्य अकादमी
2. संस्कार, यू. आर. अनंतमूर्ति, राजकमल प्रकाशन
3. घासीराम कोतवाल, विजय तेंदुलकर, राजकमल प्रकाशन
4. हयवदन, गिरीश कर्नाड, राजकमल प्रकाशन
5. कागजी है पैरहन, इस्मत चुगताई, राजकमल प्रकाशन
6. आलो आंधारी, बेबी हालदार, रोशनी प्रकाशन
7. के. सच्चिदानंद की कविताएं, प्रतिनिधि संकलन, लोकमित्र प्रकाशन

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – II

(वैकल्पिक)

खंड – ग

विश्व साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को विश्व साहित्य से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी विश्व साहित्य के प्रमुख रचनाकारों से परिचित होने के साथ-साथ विश्व साहित्य की विविध विधाओं की चयनित कुछ प्रमुख रचनाओं का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1 नाटक

विलियम शेक्सपियर – जूलियस सीजर (अंग्रेजी)

बर्तोल्त ब्रेख्त – खड़िया का घेरा (जर्मन)

इकाई : 2 उपन्यास

मैक्सिम गोर्की : माँ (रूसी)

जॉर्ज ऑरवेल : एनिमल फार्म (अंग्रेजी)

इकाई : 3 कविता

शार्ल बादलेयर (फ्रांसीसी) – तस्वीर, पाठक से, दिन का अंत

पर्सी बिश शेली (अंग्रेजी) – गीत, चेतावनी, एक क्षण

व्लादिमीर मायकोवस्की (रूसी) – एक बजे के बाद, पसंद अपनी-अपनी, अच्छा क्या है और बुरा क्या

नाज़िम हिकमत (तुर्की) – 27 अप्रैल, कभी न लौटने के लिए जाना, जीने के लिए

12/8/26 12.08.2026 12.8.2026

मरना

पाब्लो नेरुदा (स्पैनिश) – कुछ सवाल, यही है सादगी,

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. विलियम शेक्सपियर – जूलियस सीजर, अनुवादक – कमलेश्वर,
2. बर्तोल्त ब्रेख्त – खड़िया का घेरा, अनुवादक – कमलेश्वर,
3. मैक्सिम गोर्की : माँ, अनुवादक – राजेन्द्र यादव
4. जॉर्ज ऑरवेल : एनिमल फार्म, अनुवादक – अभिषेक श्रीवास्तव
5. व्लादिमीर मायकोवस्की की कविताएं (कविता संचयन), अनुवाद – राजेश जोशी, संवाद प्रकाशन, Hindisamay.com, Kavitakosh.org
6. प्रेम कविताएं, नाज़िम हिकमत, अनुवाद – सुरेश सलिल, वाणी प्रकाशन, Hindisamay.com, Kavitakosh.org

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – III

Coursework Paper - 1

नाटक एवं एकांकी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक तृतीय सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के प्रमुख नाटक और एकांकी से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश, धर्मवीर भारती के नाटकों का अध्ययन करने के साथ-साथ भुवनेश्वर, रामकुमार वर्मा, जगदीशचंद्र माथुर की चयनित एकांकियों का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1 नाटक

जयशंकर प्रसाद : स्कंदगुप्त

मोहन राकेश : आधे-अधूरे

धर्मवीर भारती : अंधायुग

इकाई : 2 एकांकी

भुवनेश्वर : तांबे के कीड़े

रामकुमार वर्मा : दीपदान

जगदीश चंद्र माथुर : रीढ़ की हड्डी

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. स्कंदगुप्त, जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. आधे-अधूरे, मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

3. अंधायुग, धर्मवीर भारती, किताब महल

4. hindisamay.com

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – III

Coursework Paper – 2

छायावादी काव्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक तृतीय सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के छायावादी काव्य से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताओं से परिचित होने के साथ-साथ उनकी चयनित कविताओं का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1

जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)

सुमित्रानंदन पंत : परिवर्तन, नौका-विहार, हिमाद्रि, आ धरती कितना देती है

इकाई : 2

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति

महादेवी वर्मा : आ वसंत रजनी, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, विरह का जलजात जीवन, तुम मुझमें प्रिय

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. छायावाद और उसके कवि, नन्ददुलारे वाजपेयी,

3. 'निराला' की चयनित कविताएं, प्रभात प्रकाशन,

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

4. प्रसास का सम्पूर्ण काव्य, सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

5. सुमित्रानंदन पंत, डॉ. नगेन्द्र, अनन्या प्रकाशन

6. सुमित्रानंदन पंत रचना संचयन, सं- कुमार विमल, साहित्य अकादेमी

7. महादेवी वर्मा संचयिता, महादेवी वर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – III

Coursework Paper – 3

उपन्यास एवं कहानी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक तृतीय सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के प्रमुख उपन्यासों और कहानियों से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी प्रेमचंद का 'गोदान', फणीश्वरनाथ 'रेणु' का 'मैला आँचल', हजारीप्रसाद द्विवेदी का 'बाणभट्ट की आत्मकथा' तथा अज्ञेय का 'शेखर: एक जीवनी' उपन्यास के साथ-साथ चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी', प्रेमचंद, विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक', जैनेन्द्र कुमार और यशपाल की चयनित कहानियों का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1 उपन्यास

गोदान – प्रेमचंद

मैला आँचल – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारीप्रसाद द्विवेदी

शेखर : एक जीवनी (दोनों खंड) – अज्ञेय

इकाई : 2 कहानी

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

कफ़न – प्रेमचंद

ताई – विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'

परदा – यशपाल

पत्नी – जैनेन्द्र कुमार

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

1. उपन्यास : स्वरुप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद के आयाम, ए. अरविंदाक्षन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रेमचंद: एक विवेचन, इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण, प्रकाशन, नई दिल्ली
7. गोदान, राजेश्वर गुरु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रेमचंद: एक साहित्यिक विवेचन, नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रेमचंद और भारतीय समाज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. अज्ञेय की उपन्यास-यात्रा, ए. अरविंदाक्षन, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली
12. अज्ञेय के उद्धरण (सं०) नन्द किशोर आचार्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. अज्ञेय : कुछ रंग, कुछ राग – श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. आज की कहानी, विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण, प्रकाशन, नई दिल्ली
15. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. कथा समय, विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. अठारह उपन्यास, राजेन्द्र यादव राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. कहानी: वस्तु और अंतर्वस्तु, शम्भु गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
22. निर्मल वर्मा और उत्तर-उपनिवेशवाद, सुधीश पचौरी

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

23. निर्मल वर्मा – सं : अशोक वाजपेयी
24. हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – III

Research Paper

निबंध एवं कथेतर गद्यविधाएं

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक तृतीय सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के प्रमुख निबंध एवं कथेतर गद्यविधाओं से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी रामवृक्ष बेनीपुरी, विष्णु प्रभाकर, महादेवी वर्मा, शिवरानी देवी तथा मन्नू भंडारी की चयनित कथेतर रचनाओं के साथ-साथ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी तथा विद्यानिवास मिश्र के चयनित निबंधों का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1 कथेतर गद्यविधाएं

रामवृक्ष बेनीपुरी : माटी की मूरतें (एक से चार)

विष्णु प्रभाकर : आवारा-मसीहा

महादेवी वर्मा : स्मृति की रेखाएँ

शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में

मन्नू भंडारी : एक कहानी यह भी

इकाई : 2 निबंध

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : कविता क्या है?, श्रद्धा-भक्ति, लोभ और प्रीति, क्रोध

हजारीप्रसाद द्विवेदी : नाखून क्यों बढ़ते हैं, भारतीय संस्कृति की देन, साहित्यकारों का दायित्व, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है

विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, तुम चंदन हम पानी, आँगन का पंछी और बंजारा मन

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. माटी की मूरतें, रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रभात प्रकाशन

2. आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर, राजपाल एण्ड सन

3. स्मृति की रेखाएं, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

4. प्रेमचंद घर में, शिवरानी देवी, नयी किताब प्रकाशन

5. एक कहानी यह भी, मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

6. कविता क्या है?, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा

7. हजारीप्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध, सं- नामवर सिंह, नैशनल बुक ट्रस्ट

8. चयनित निबंध: पंडित विद्यानिवास मिश्र, सं – नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, अद्विक पब्लिकैशन

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – IV

Research Paper – 1

छायावादोत्तर काव्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के छायावादोत्तर काव्य से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी मुक्तिबोध, अज्ञेय, नागार्जुन, शमशेर, धूमिल, भवानीप्रसाद मिश्र, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और केदारनाथ सिंह के जीवन परिचय और काव्यगत विशेषताओं के साथ-साथ उनकी चयनित कविताओं का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1

गजानन माधव मुक्तिबोध : अँधेरे में, भूल गलती, ब्रह्मराक्षस

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : असाध्यवीणा, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर

इकाई : 2

नागार्जुन : कालिदास, शासन की बंदूक, बादल को घिरते देखा है, मनुष्य हूँ

शमशेर : बात बोलेगी, एक पीली शाम, ये शाम है, अम्न का राग

इकाई : 3

धूमिल : नक्सलवाड़ी, रोटी और संसद, अकाल दर्शन, मोचीराम

भवानीप्रसाद मिश्र : गीत फ़रोश, सतपुड़ा के जंगल, सन्नाटा, कवि

इकाई : 4

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : भेड़िया, तुम्हारे साथ रहकर, अजनबी देश है यह, काठ की

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

घंटियाँ

केदारनाथ सिंह : यह पृथ्वी रहेगी, जो एक स्त्री को जानता है, रोटी, मुक्ति

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रतिनिधि कविताएं, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. प्रतिनिधि कविताएं, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. प्रतिनिधि कविताएं, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

4. प्रतिनिधि कविताएं, नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

5. सुदामा पांडे का प्रजातन्त्र, धूमिल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

6. धूमिल एक ठेठ कवि, सं- डॉ. रत्नशंकर पाण्डेय, हिन्द युग्म

7. प्रतिनिधि कविताएं, शमशेर बहादुर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

8. प्रतिनिधि कविताएं, भवानीप्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – IV

Research Paper – 2

स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी यशपाल, श्रीलाल शुक्ल, विनोद कुमार शुक्ल और मन्नू भंडारी के चयनित उपन्यासों के साथ-साथ मोहन राकेश, अमरकांत, कमलेश्वर, शेखर जोशी, कृष्णा सोबती और निर्मल वर्मा की चयनित कहानियों का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई : 1 उपन्यास

झूठा-सच – यशपाल

राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल

दीवार में एक खिड़की रहती थी – विनोद कुमार शुक्ल

आपका बंटी – मन्नू भंडारी

इकाई : 2 कहानी

मोहन राकेश – मलबे का मालिक

अमरकांत – जिंदगी और जोंक

कमलेश्वर – राजा निरबंसिया

शेखर जोशी – कोसी का घटवार

कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया

निर्मल वर्मा – परिंदे

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

सहायक ग्रंथ सूची :

1. राग दरबारी, श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
2. झूठा- सच, यशपाल
3. दीवार में एक खिड़की रहती थी, विनोद कुमार शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
4. एक दुनिया समानांतर, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन
5. उपन्यास: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन
7. कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
8. हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन
9. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन
10. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन
11. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन
12. हिंदी उपन्यास का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकशन

14/8/26 12.08.2026 12.08.2026

Semester – IV

Research Paper – 3

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective of syllabus) : परास्नातक चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत से परिचित कराना इस पत्र का उद्देश्य है। इस पत्र में विद्यार्थी भारतीय काव्य शास्त्र के काव्य लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन, रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धांत के साथ-साथ पाश्चात्य काव्य सिद्धांत के प्रमुख आलोचकों के मुख्य सिद्धांतों का भी अध्ययन करेंगे।

भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई: 1

भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धांत, भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में प्रमुख काव्यशास्त्रीय आचार्यों का योगदान

इकाई: 2

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन

इकाई: 3

रस संप्रदाय, अलंकार संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, रीति संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय, औचित्य संप्रदाय

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026

इकाई : 4

प्लेटो – काव्यालोचन

अरस्तू – त्रासदी, विरेचन, अनुकरण संबंधी सिद्धांत

लोंजाइनस – उदात्त सिद्धांत

इकाई : 5

वर्ड्सवर्थ – काव्य सिद्धांत और काव्य भाषा का सिद्धांत

कॉलरिज – कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना का सिद्धांत

मैथ्यू आर्नल्ड – काव्य सिद्धांत और आलोचना का सिद्धांत

इकाई : 6

क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

टी. एस. इलियट – परम्परा की अवधारणा और निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सहसंबंध का सिद्धांत

आई. ए. रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत

सहायक ग्रन्थ सूची:

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गणपतिचंद्रगुप्त राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12.08.2026 12.08.2026 12.08.2026

3. काव्यशात्र, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4. भारतीय काव्यशास्त्र, योगेन्द्र प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. भारतीय काव्यशात्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

6. पाश्चात्य काव्यशात्र: नई प्रवृति, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन सन्दर्भ, सत्यदेव मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8. पाश्चात्य काव्य चिंतन, करुणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

11. पाश्चात्य काव्यशात्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर प्रकाशन, दिल्ली

12. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

13. पाश्चात्य काव्यशात्र, विजय बहादुर सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

14. पाश्चात्य काव्यशात्र: इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,

15. पाश्चात्य काव्यशात्र, डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

12/8/26 12.08.2026 12,08,2026

Semester – IV

Final Submission of Research Work

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में स्वतंत्र शोध का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। शोध-विषय का चयन, प्रासंगिक स्रोतों का संग्रह एवं विश्लेषण तथा उपयुक्त शोध-पद्धतियों का प्रयोग करने का कौशल विकसित करना है। साथ ही विशेषज्ञ मार्गदर्शन में आलोचनात्मक चिंतन, विद्वत्तापूर्ण लेखन तथा शैक्षणिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना भी इसका उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम (Course Outcomes) : इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शोध करने, एक व्यवस्थित शोध-प्रबंध तैयार करने तथा शैक्षणिक लेखन, पाठ-विश्लेषण एवं हिन्दी स्रोतों की व्याख्या में दक्षता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे। वे शोध-संबंधी कौशल विकसित करेंगे तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य के उन्नत अध्ययन में योगदान देने की क्षमता प्राप्त करेंगे। इस पत्र का मुख्य उद्देश्य चयनित विषय का व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक अध्ययन करना तथा उससे संबंधित उपलब्ध तथ्यों, सूचनाओं का विश्लेषण करना है। इस अध्ययन के माध्यम से विषय की वर्तमान स्थिति को समझने, प्रमुख समस्याओं एवं चुनौतियों की पहचान करने तथा उनके संभावित समाधान प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही शोध कार्य से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर विषय से संबंधित उपयोगी सुझाव प्रस्तुत करना इस शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य है।

12/8/26 12.08.2026 12.08.2026